रिपोर्टर जेरोक्स
शाप नं.-1, कलेक्ट्रेट कैम्पस,
कोटा (राज.)
सेवाऐं:
जेरोक्स,
कलर जेरोक्स,
अर्जेन्ट फोटो,
लेमिनेशन
फार्म उपलब्ध:
मूल निवासी,
जाति प्रमाण पत्र,
आय प्रमाण पत्र,
विवाह प्रमाण पत्र

कलम का अधिकार

आयुर्वेदिक दवाईयां
थोक व रिटेल में
जैन आयुर्वेदिक स्टोर
रामपुरा (डाकघर के सामने) कोटा - 6
फोन- 2381156, 2381946
प्रमुख वितरक - ऊंझा फार्मेसी, लोकोपकारक, व्यास, श्यौर क्योर, नर नारायण, चरक, आर्युलेब, बजाज, सान्डू, वासू, बान, दीनदयाल, साधना, राजवैद्य, खूटेंटा, वैद्यनाथ, धूतपापेश्वर, सोल्युमिक्स, महर्षि, परम हेल्थकेयर, रतन आयुर्वेदिक, जमना फार्मेसी, शर्बत, मुरब्बा, एवं जनरल हेल्थ केयर आइटम।

वर्ष-69 अंक- 30 (प्रभात) कोटा, शनिवार, 1 फरवरी, 2025 डाक पंजी, कोटा/ 37/2021-2023 (हिन्दी दैनिक) फोन : 0744-3550629 पृष्ठ-4 मूल्य : 1 रुपया

न्यूज ब्रीफ

केजरीवाल के 7 विधायकों का इस्तीफा, पार्टी भी छोड़ी, टिकट ना मिलने से नाराज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से 5 दिन पहले आम आदमी पार्टी के 7 मौजूदा विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इन सभी ने विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने और आप में भ्रष्टाचार को इस्तीफे की वजह बताई। महरौली से 2 बार के पार्टी विधायक नरेश यादव ने कहा, आप का उदय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुए अन्ना आंदोलन से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार को मुक्त करने के लिए हुआ था। लेकिन अब मैं बहुत दुखी हूं कि भ्रष्टाचार आम आदमी पार्टी बिल्कुल भी कम नहीं कर पाई, बल्कि आप ही भ्रष्टाचार के दलदल में लिप्त हो चुकी है। रोहित महरौली ने कहा, अरविंद केजरीवाल की गलत नीतियों के कारण ही मैंने पार्टी से इस्तीफा दिया है। मुझे किसी ने ऐसा करने से नहीं रोका। पार्टी के सीनियर नेताओं को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वहीं, विधायकों के पार्टी से इस्तीफे पर आप विधायक ऋतुराज झा ने भाजपा पर विधायकों को लालच देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- मुझे भी पार्टी छोड़ने का लालच दिया गया था। लेकिन मैं आखिरी दम तक आप में रहूंगा।

शंभू बॉर्डर पर एक और किसान की मौत, हॉर्ट अटैक आया

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के बीच एक और किसान की मौत हो गई है। किसान की जान हॉर्ट अटैक आने से गई है। किसान का नाम प्रगट सिंह है जो अमृतसर के गांव कक्कड़ तहसील लोपोके का रहने वाला था। किसान 2 एकड़ जमीन का मालिक था। वह 2 बच्चों का पिता था। पंजाब और हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन-2 को 13 फरवरी को एक साल पूरा होने जा रहा है। ऐसे में दोनों मोर्चों पर किसानों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

साथ ही 11 फरवरी से 13 फरवरी तक होने वाली तीन किसान महापंचायतों को सफल बनाने के लिए किसान नेता पूरी रणनीति में जुटे हुए हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन आज (शुक्रवार) 66वें दिन में प्रवेश कर गया है। हालांकि भूख हड़ताल के कारण डल्लेवाल का शरीर कमजोर हो गया है। इसके कारण उन्हें बुखार आ गया है, वह जरा सी भी हरकत बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

महाराष्ट्र में जीबी सिंड्रोम से 6 दिन में 3 मौतें

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और दूसरे इलाकों में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामले बढ़कर 130 हो गए हैं। इनमें से 20 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। 29 जनवरी को 3 केस सामने आए थे। कल एक भी मामला सामने नहीं आया। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग के जारी बुलेटिन के मुताबिक राज्य में ल्क सिंड्रोम के कारण पिंपले गुरव में 36 साल के व्यक्ति, पुणे में 56 साल की महिला और सोलापुर में 40 साल के व्यक्ति की मौत हो चुकी है।

अधिकारियों के मुताबिक, 130 मरीजों में पुणे नगर निगम के 25 मरीज हैं। निगम में जोड़े गए गांवों से 74 मरीज हैं। पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम के 13 मरीज हैं। पुणे ग्रामीण से और अन्य जिलों से 9-9 मरीज हैं। तेलंगाना में पहला केस सामने आया है। सिद्दीपेट जिले में 25 वर्षीय महिला को भर्ती कराया गया है। डिप्टी सीएम अजीत पवार ने गुरुवार को पुणे में जिला योजना समिति की बैठक की। उन्होंने अधिकारियों के निर्देश दिया कि मरीजों से ज्यादा फीस लेने वाले प्राइवेट अस्पतालों के खिलाफ एक्शन लें। पवार पुणे जिले के संरक्षक मंत्री भी हैं।

फिरोजपुर में धुंध में कैंटर-पिकअप की टक्कर, 11 की मौत,15 लोग घायल

फिरोजपुर, (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में आज सुबह करीब 8 बजे एक बोलेरो पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 15 लोग घायल हो गए। यह हादसा फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव मोहन के उताड़ के पास हुआ। हादसे के वक्त पिकअप में 25 से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें से मरने वालों की लाशें सड़क किनारे बिखरी पड़ी मिलीं। जबकि, जख्मी लोगों को पुलिस ने राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आशंका जताई है कि हादसा धुंध के कारण हुआ है। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मरने वालों में एक सुखविंदर नाम का व्यक्ति भी शामिल है, जोकि पांच बहनों का इकलौता भाई था। हादसे को लेकर पंजाब के सीएम सरदार भगवंत सिंह मान ने दुख जताया है। उन्होंने कहा- फिरोजपुर में आज सुबह कैंटर और पिकअप ट्रक के बीच टक्कर होने से बड़ा हादसा हो गया। जिसमें एक शादी समारोह में जा रहे वेटरों की दुखद मौत की खबर आई है और कुछ लोग घायल बताए जा रहे हैं। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। पंजाब सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

सोलहवीं विधानसभा सत्र

ईआरसीपी परियोजना के लिए पूर्ववर्ती सरकार जिम्मेदार, जल जीवन मिशन स्कैम से प्रदेश की साख हुई खराब : राज्यपाल

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत हुई। सत्र की शुरूआत में ही हंगामा नजर आया। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान गोविंद सिंह डोटासरा बोलने लगे। इस पर हरिभाऊ बागडे ने उन्हें जवाब दिया। विधानसभा में राज्यपाल का यह पहला अभिभाषण है। अभिभाषण के दौरान बागडे ने कहा कि राष्ट्र प्रथम हमारा प्रथम लक्ष्य है।

उन्होंने पिछली सरकार के काम पर सवाल किए। बागडे के अभिभाषण में भजनलाल सरकार का विजन दिखाई दिया। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को अभिभाषण के जरिए सभी के सामने रखा। उन्होंने भजनलाल सरकार के एक साल के कार्य की सराहना की। बागडे ने ईआरसीपी योजना को लेकर कहा कि यह अब राम जल सेतु योजना है। इस योजना में कांग्रेस सरकार के कारण देरी हुई। अभिभाषण के दौरान उन्होंने पेपर लीक का भी उल्लेख किया। राज्यपाल हरी भाऊ किशन राव बागडे ने विधानसभा के पहले दिन अपने अभी भाषण में सरकार के 1 साल की उपलब्धियां, योजनाओं और कामों की जानकारी दी । उन्होंने 1 घंटे 28 मिनट तक सरकार के 1 साल में कराए गए कामों के बारे में विस्तार से अपने अभीभाषण में बताया। कहा की प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत वर्षों में हमारे देश ने अद्भुत प्रगति अर्जित की है और 'राष्ट्र प्रथम' हमारा मूलमंत्र बन गया है। राज्य सरकार ने युग पुरुष पं. दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों पर चलते हुए 'दूरगामी निर्णय किए हैं, जिनसे हमारी माताओं-बहनों, युवा, किसान भाइयों, श्रमिकों सहित समाज के हर वर्ग का जीवन बेहतर हुआ है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के पहले ही साल में समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश की मजबूत बुनियाद रखी गई है।

समिट में 32 देशों ने हिस्सा लिया और 16 देशों ने पार्टनर कंट्री के रूप में सहभागिता निभाई। देश-विदेश के 147 एग्जीबिटर्स एवं 32 हजार से अधिक डेलीगेट्स एवं विजिटर्स शामिल हुए। 'राइजिंग राजस्थान' से राजस्थान में औद्योगिक विकास का भाग्योदय होगा। प्रतिभा एवं कौशल से भरे हमारे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। औद्योगिक क्षेत्रों के विकास एवं भूमि अधिग्रहण के लिए 512 करोड़ रुपये से अधिक व्यय किए गए हैं। नए 11 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 1 हजार 282 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही, 11 नए औद्योगिक क्षेत्र भूमि आवंटन के लिए भी खोले गए हैं।

रामगढ़ टाइगर रिजर्व में दो बाघों में खूनी संघर्ष, आरवीटीआर-4 की मौत

कलम का अधिकार

कोटा। रामगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ आरवीटीआर-4 का शव शुक्रवार सुबह लहुलुहान हालत में मिलने से हड़कम्प मच गया। 6 महीने में ही दो बाघों की संदिग्ध मौत होने से रामगढ़ का प्रबंधन सवालों के कटघरे में आ गया। आरवीटीआर-4 की मौत टेरिटोरियल फाइट में होना बताया जा रहा है। हालांकि, स्पष्ट कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगा। इस बाघ को तीन महीने पहले ही सरिस्का टाइगर रिजर्व की टीम ने हरियाणा से रेस्क्यू कर रामगढ़ में शिफ्ट किया था।

दो दिन से एक ही जगह आ रही थी लोकेशन : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बाघ आरवीटीआर-4 की मौत तीन दिन पहले ही हो चुकी थी। रेडियो कॉलर के सिग्नल दो दिन से एक ही जगह मिल रहे थे। बाघ की लोकेशन जैतपुर रेंज की नंदपुरा पहाड़ी पर रही। खतरे की संभावना को देखते हुए ट्रैकिंग टीम मौके पर पहुंची तो आरवीटीआर-4 लहुलूहान हालत में मृत पड़ा था।बताया जा रहा है, आरवीटीआर-4 का सामना अपने से दोगुनी उम्र के आरवीटीआर-1 से हुआ। जहां दोनों में टेरिटोरियल फाइट हुई, जिसमें आरवीटीआर-4 की मौत हो गई। बाघ आरवीटीआर-4 को जैतपुर रेंज में बजालिया सॉफ्ट एनक्लोजर से गत 4 जनवरी को 26 दिन पहले ही हार्ड रिलीज किया गया था। यह अपनी टेरिटेरी बनाने के लिए इलाका छान रहा था। इस बीच इसने दो दर्जन से अधिक शिकार भी किए। कुछ दिनों से इसका मूवमेंट नंदपुरा की पहाड़ियों पर था। इस बीच उसका सामना 6 वर्षीय बाघ आरवीटीआर-1 से हुआ। जहां दोनों में खूनी संघर्ष हुआ। जिसमें आरवीटीआर-4 की मौत हो गई। लेकिन, वन्यजीव प्रेमियों ने टेरिटोरियल फाइट पर संशय जताते हुए कहा कि बाघों की संख्या के मुकाबले रामगढ़ का क्षेत्रफल कहीं ज्यादा है। ऐसे में टेरिटोरियल फाइट की संभावना नहीं बनती। वन अधिकारियों को मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा करना चाहिए।

बीएड कॉलेज का प्राचार्य व कंप्यूटर ऑपरेटर 5000 रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के निर्देश पर. एसीबी चौकी हनुमानगढ़ ईकाई द्वारा शुक्रवार कार्रवाई की। इसमें आरोपी डॉ. रामावतार प्राचार्य बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन व करण कम्प्यूटर ऑपरेटर बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन को 5000/- रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी हनुमानगढ़ को एक शिकायत इस आशय की मिली कि आरोपी प्राचार्य रामावतार द्वारा बीएड के ऑफलाईन फार्म जमा करवाने की एवज में यूनिवर्सिटी के नाम से परिवादी से 5000/- रूपये रिश्वत की मांग परेशान कर रहा था।

इस पर एसीबी के उपमहानिरीक्षक पुलिस राजेश सिह के सुपरविजन में एसीबी हनुमानगढ़ के पवन कुमार मीणा अति. पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में श्रीमती शालू बिश्नोई पुलिस निरीक्षक ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉ. रामावतार प्राचार्य, बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन ने रिश्वत करण कम्प्यूटर ऑपरेटर बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन को दिलवाये जिसने रिश्वत राशि 5000/- रुपए कार्यालय कक्ष में मेज पर रखी पुस्तक व फाईल के बीच में छिपाकर रख दिये जहां से बरामद कर आरोपी डॉ. रामावतार व करण बाबा मुस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

इलेक्ट्रोपैथी रिसर्च में राजस्थान अब बढ़ेगा आगे, बजट की रखी मांग

कलम का अधिकार

कोटा। राज्य में इलेक्ट्रोपैथी विकास हेतु बजट आवंटन के लिए सरकार के सामने रखी गई मांग ।राज्य के जिला सचिवों की बैठक में

हुए कई अहम निर्णय। इलेक्ट्रोपैथी रिसर्च पर किया गया प्रस्ताव पारित। इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद के संरक्षक इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सक आर बी गुप्ता कोटा संभाग प्रभारी शादाब अहमद ने बताया कि कोटा से जिला सचिव महावीर प्रसाद तथा उप जिला सचिव जी पी राजकुमार भी इस बैठक में शामिल हुए।

इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सा परिषद,जयपुर के जिला सचिवों की एकदिवसीय बैठक का आयोजन होटल क्रेस्टमोंट में किया गया।

राज्य में चल रहे 216 इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा शिविरों की श्रृंखला पर सब ने अपने-अपने अनुभव रखते हुए जानकारी दी की इन चिकित्सा शिविरों से राजस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं में बहुत बड़ा योगदान मिला है। सभी जिलों के चिकित्सकों ने मिलकर इस पद्धति के प्रचार प्रसार हेतु और अधिक कार्य करने की 2 वर्षों की व्यापक योजना तैयार की। पद्धति के विकास हेतु चिकित्सकों द्वारा राज्य सरकार से इस पद्धति के लिए बजट आवंटन की भी मांग की गई।

परिषद के महामंत्री लुनेश मालवीय ने पिछले दो सालों में हुई रिसर्च पर प्रकाश डालते हुए राजस्थान को अपनी भूमिका बढ़ाने का आह्वान किया। इलेक्ट्रोपैथी पौधों एवं औषधियों पर व्यापक विचार विमर्श के बाद अनेक संस्थाओं से जुड़कर रिसर्च करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। पूज्य महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के जन्म दिवस पर सभी चिकित्सकों द्वारा उनको बधाई देते हुए वित्त मंत्री के रूप में इलेक्ट्रोपैथी के लिए बजट आवंटन की बात कही।

टीम हार्टवाइज ने किया 80 स्कूल्स में 1000 प्रतिभाओं का सम्मान

कलम का अधिकार

कोटा। हार्टवाइज सोसायटी की ओर से कोटा में 9 फरवरी को होने जा रहे देश के सबसे बड़े हेल्थ इवेंट वॉक-ओ-रन के तहत गतिविधियां पूरे जोश के साथ आयोजित की जा रही है। दिसम्बर माह में शहर के स्कूल्स में ड्राइंग एण्ड क्विज कम्पीटिशन के विजेताओं को इन दिनों पुरस्कृत किया जा रहा है। इसके तहत शनिवार को क्विज कम्पटीशन का फाइनल राउंड होगा। इसमें प्रथम राउंड में चयनित प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया जाएगा। टीम हार्टवाइज के संयोजक डॉ. साकेत गोयल ने बताया कि शहर के 80 स्कूल्स के स्टूडेंट्स ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद हार्टवाइज टीम द्वारा हर स्कूल में जाकर प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों और प्रिंसिपल्स का सम्मान किया गया। पिछले दो सप्ताह में 80 स्कूल्स की करीब 1000 प्रतिभाओं का सम्मान किया जा चुका है। इस दौरान 50 हजार से अधिक स्टूडेंट्स और टीचर्स को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया और वॉक'-ओ-रन में शामिल होने के लिए प्रेरित भी किया गया। एक फरवरी को क्विज का दूसरा और फाइनल राउण्ड होगा, जिसमें 60 स्कूल्स की टीमें भाग लेंगी। स्कूल्स के बाद इन प्रतियोगिताओं के सिटी विनर्स को वॉक-ओ-रन तथा एक्सपो में सम्मानित किया जायेगा।

राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 की तैयारियों को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर, (कासं)। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने शुक्रवार को परीक्षा के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में समस्त परीक्षा समन्वयक, पुलिस नोडल अधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारियों, उपसमन्वयकों एवं केंद्र अधीक्षकों से राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 की तैयारियों को फीडबैक लिया गया।बैठक में अधिकारियों को परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी गई। साथ ही पुलिस अधिकारियों को भर्ती परीक्षा में किसी भी प्रकार की नकल अथवा अनियमितता की सूचना पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई को अंजाम देते हुए परीक्षा का आयोजन पूर्ण सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश प्रदान किये गए। पुलिस सहित सभी सुरक्षा एजेंसियां इस दौरान सतर्क एवं मुस्तैद रहेगी एवं परीक्षा का सफल एवं सुचितापूर्ण आयोजन सुनिश्चित करेंगी। वहीं, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज की मौजूदगी में फरवरी माह में आयोजित होने वाली कनिष्ठ अभियंता, रीट सहित अन्य समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

गौरतलब है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 2025 (रविवार) को जयपुर जिले में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 240 परीक्षा केन्द्रों पर राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाएगा।

दिल्ली के लोगों का संकल्प 'आप-दा' को भगाना और भाजपा की सरकार बनानी है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के द्वारका में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली ने ठान लिया है कि आप-दा वालों को भगाना है, भाजपा की सरकार बनानी है। पीएम ने कहा कि दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए, ताकि मिलजुल कर दिल्ली की हर बड़ी समस्या का समाधान हो। हमें मिलकर दिल्ली को लूट और झूठ की आप-दा से मुक्त कराना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली के लोग एक साथ कह रहे हैं, अबकी बार मोदी सरकार। दिल्ली को अब डबल इंजन वाली सरकार की जरूरत है। जनता से विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिताने की अपील करते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि दिल्ली के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

आम आदमी पार्टी (आप) या उसके किसी नेता का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि 11 साल में आप-दा ने सबके साथ लड़ाई-झगड़ा ही किया है। वे केंद्र सरकार से लड़ते हैं, ये हरियाणा वालों (सरकार) के

साथ लड़ते हैं, उत्तर प्रदेश वालों के साथ लड़ते हैं। वे सरकार की योजनाओं को लागू नहीं होने देते हैं। अगर दिल्ली में यही आप-दा वाले ही रहे, तो दिल्ली विकास में पीछे रह जाएगी और बर्बाद होती जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली को केंद्र और राज्य सरकार की %डबल इंजन% सरकार की जरूरत है। आपने कई वर्षों तक कांग्रेस को सत्ता में देखा और फिर आप ने दिल्ली पर कब्जा कर लिया। आपने मुझे बार-बार देश की सेवा करने का मौका दिया है और अब %डबल इंजन% की सरकार बनाकर मुझे दिल्ली की भी सेवा करने का मौका दीजिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली को किस हद तक आधुनिक बनाना चाहती है, इसकी एक झलक द्वारका में देखने को मिल सकती है। केंद्र सरकार ने यहां भव्य यशोभूमि का निर्माण कराया। यशोभूमि की वजह से द्वारका और दिल्ली के हजारों युवाओं को रोजगार मिला है और यहां के लोगों का कारोबार बढ़ा है। आने वाले समय में यह पूरा क्षेत्र एक तरह से स्मार्ट सिटी होगा। उन्होंने कहा कि आप-दा वालों ने दिल्ली को अपनी राजनीति चमकाने का एटीएम बना दिया है। दिल्ली का पैसा निचोड़ लिया है, लूट लिया है। दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले काले धन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। पीएम मोदी ने विश्वास दिलाया कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर मौजूदा आप सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिन लोगों ने दिल्ली को लूटा है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा और जो कुछ उन्होंने लिया है, उसे वापस करने को कहा जाएगा।

द्रोपदी मूर्मू ने सदन में दिया अभिभाषण

भारत सरकार के प्रयासों से देश निरंतर बढ़ रहा है आगे, 3 करोड़ लोगों को मिलेगा नया आवास : मुर्मू

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से हुई। अभिभाषण के दौरान मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित किया। मुर्मू ने संविधान निर्माताओं को नमन किया। मुर्मू ने कुंभ हादसे में दुख व्यक्त किया। मुर्मू ने कहा कि किस तरह से भारत सरकार के प्रयासों से देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार किया है। इससे 3 करोड़ अतिरिक्त लोगों को नया घर दिया जाएगा। मुर्मू ने कहा कि देश में आधुनिक ढांचागत विकास को नयी गति मिल रही है और इससे न सिर्फ नागरिकों के जीवन में सुधार हो रहा है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है तथा दुनिया में भारत की छवि और मजबूत हो रही है। मुर्मू ने कहा कि सरकार विकसित भारत के निर्माण के लिए ढांचागत विकास को महत्व दे रही है और सड़क, रेल, बंदरगाह को आधुनिक रूप से विकसित करने के साथ ही मेट्रो रेल तथा हवाई मार्ग पर विशेष ध्यान दे रही है। इससे विकसित भारत की यात्रा को नयी ऊर्जा मिल रही है, जिससे जनभागीदारी सामूहिक सामर्थ्य का कारण बन रही है। आधुनिक ढांचागत विकास से देश को नई पहचान मिलने के साथ ही देश के लोगों में नया आत्मविश्वास भी उत्पन्न हो रहा है। दुनिया में भारत की छवि मजबूत हुई है और निवेशकों का भारत के प्रति भरोसा बढ़ा है, उद्योगों को बल मिला है और नए रोजगार का निर्माण हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश के हर हिस्से को हाईवे, एक्सप्रेसवे से कनेक्ट करने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। देश कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेलवे लाइन से जुड़ जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत चेनाब ब्रिज का निर्माण हुआ है, जो विश्व का सबसे ऊँचा रेल ब्रिज है। साथ ही आँजी ब्रिज, देश का पहला रेल केबल ब्रिज बना है। शिंकुन ला सुरंग पर काम भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। निकट भविष्य में पूरी होने पर ये विश्व की सबसे ऊँची सुरंग होगी। इससे लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के बीच बारहमासी संपर्क बना रहेगा। मुर्मू ने सड़क और रेल मार्ग के विकास के साथ ही बंदरगाह और हवाई मार्ग का भी उल्लेख किया और कहा कि वाढवण में भारत के पहले डीप वाटर मेगा पोर्ट की आधारशिला रखी गई है। भारत का नागरिक उड्यन क्षेत्र में भी तेजी से विकास कर रहा है। देश की एयरलाइन कम्पनियों ने 1700 से अधिक नए विमानों के ऑर्डर दिए हैं। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले विमानों के परिचालन के लिए हम एयरपोर्ट्स का विस्तार कर रहे हैं। पिछले एक दशक में देश में एयरपोर्ट्स की संख्या दोगुनी हो गई है।

कांग्रेस के शाही परिवार ने राष्ट्रपति का अपमान किया :मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज द्वारका में रैली की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार देश ने फिर देखा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया। उनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है, लेकिन उन्होंने बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति ओडिशा आदिवासी परिवार से निकलकर यहां तक पहुंची हैं। ये देश के 10 करोड़ आदिवासियों का अपमान है। जो जमीन से उठकर ऊपर आते हैं, उनको कांग्रेस का शाही परिवार पसंद नहीं करता। गरीब, दलित, आदिवासी और ओबीसी समाज से जो भी लोग आगे बढ़ते हैं, कांग्रेस उनको अपमानित करती है। कांग्रेस और आपदा दोनों में बहुत अहंकार हैं। ये आप-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं। कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 की आर्थिक समीक्षा लोकसभा में पेश की

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 की आर्थिक समीक्षा को लोकसभा में पेश किया। समीक्षा चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन के आकलन के साथ देश के समक्ष चुनौतियों को बयां करती है। आर्थिक समीक्षा एक वार्षिक दस्तावेज है जिसे सरकार केंद्रीय बजट से पहले अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए पेश करती है। यह सुधारों और विकास का खाका भी प्रदान करती है। यह अगले वित्त वर्ष के लिए दृष्टिकोण प्रदान करने के अलावा अर्थव्यवस्था और विभिन्न क्षेत्रों में विकास की रूपरेखा को बयां करती है। आर्थिक समीक्षा मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग का आर्थिक प्रकोष्ठ तैयार

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

वैचारिक संघर्ष की दशा-दिशा

यह साल भारत के लिए गहरे निहितार्थ लिए हुए है। बीते दिनों ही भारत ने अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाया है। इसी साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यानी भाकपा भी इसी साल अपना सौवां स्थापना दिवस मनाएगी। यह भी एक बड़ा संयोग है कि भारतीय सामाजिक–राजनीतिक विमर्श में वैचारिक स्तर पर दो विपरीत ध्रुवों पर खड़े संघ और कम्युनिस्ट दल इसी साल अपने सौवें पड़ाव से गुजरेंगे। ऐसे में उनकी अभी तक की यात्रा और भावी दशा–दिशा के प्रति उत्सुकता बहुत स्वाभाविक है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य की चर्चा करें तो संघ से संबद्ध मानी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी यानी भाजपा इस समय शीर्ष पर है तो कम्युनिस्ट आंदोलन निरंतर विखंडन के बाद पूरी तरह हाशिए पर पहुंच चुका है। भारतीय राजनीतिक विमर्श में भाजपा दक्षिणपंथ, कम्युनिस्ट वामपंथ तो कांग्रेस मोटे तौर पर वामपंथी झुकाव के बावजूद मध्यमार्गी पार्टी ही मानी गई है। भाजपा के मौजूदा वर्चस्व को देखते हुए यही प्रतीत होता है कि उसकी वैचारिक धारा समय के साथ भारतीय राजनीति पर अपनी पैठ मजबूत करती गई, जबकि खांटी वामपंथी कम्युनिस्ट और वाम झुकाव वाली कांग्रेस अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते दिख रहे हैं। विचारधाराओं के संघर्ष की पृष्ठभूमि के एक पड़ाव की जड़ें स्वतंत्रता पूर्व के दौर से जुड़ी हैं तो उसका अगला विस्तार आजादी के बाद होता है। भाकपा दिसंबर 1925 के दौरान अस्तित्व में आई। वामपंथी खेमे में आरंभ से ही टकराव के कई मोर्चे खुले दिखे। इसमें सत्ता प्राप्ति के लिए राह चुनने से लेकर संविधान सभा में सहभागिता के मुद्दे पर कायम मतभेद प्रमुख बिंदु रहे। चीन और रूस के समर्थन के मुद्दे ने भी आंतरिक धड़ों के बीच ऐसा पेच फसाया जो अंदरूनी विभाजन का आधार बना। परिणामस्वरूप, भाकपा से ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी–मार्क्सवादी यानी माकपा निकली। अलग–अलग राह चुनने के बावजूद वैचारिक गोंद ने दोनों धड़ों को जोड़े रखा और उनके गठजोड़ ने केरल, बंगाल और त्रिपुरा में अपना राजनीतिक वर्चस्व बनाए रखा। माओवादी हिंसक धारा भी कुछ हिस्सों में अपनी जड़ें जमाने में सफल रही। हालांकि अब स्थिति यह है कि बंगाल और त्रिपुरा से इन दलों का लगभग सफाया हो चुका है। केवल केरल में ही उनकी राजनीतिक जमीन बची है। वहीं, हिंसक माओवादियों की स्थानीय जनता पर पकड़ कमजोर हुई है तो सुरक्षा एजेंसियों के अभियानों ने भी उन्हें खासा नुकसान पहुंचाया है। समय के साथ खुद को बदल पाने में नाकाम रहना भारत में वामपंथ का दायरा सिकुड़ने की बड़ी वजह रही। यहां तक कि अकादमिक और साहित्य से लेकर पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में कभी वर्चस्व रखने वाली यह विचारधारा वहां भी आभा खो रही है। आजादी से पहले के दौर की बात करें तो उसी दौरान मुस्लिमों को लामबंद करने के लिए बनी मुस्लिम लीग का लक्ष्य तो भारत विभाजन के साथ ही पूरा हो गया था। लीग के इक्का–दुक्का अवशेष जरूर कुछ इलाकों तक सक्रिय रह गए हैं। पंजाब में पंथिक राजनीति के रूप में शुरू हुए अकाली दल में विभाजन होते गए और प्रमुख अकाली पार्टी–शिरोमणि अकाली दल अपने पुरोधा प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद पंजाब में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। अकाली दल के अन्य धड़ों की स्थिति भी कोई बहुत अच्छी नहीं। दलितों की गोलबंदी के लिए डा. भीमराव आंबेडकर का रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया यानी आरपीआइ के रूप में किया गया राजनीतिक प्रयोग भी सफल नहीं रहा। वहीं, तमिलनाडु में 1920 के दौरान पेरियार के नेतृत्व में गति पकड़ने वाले आंदोलन ने द्रविड़ कषगम यानी डीके के रूप में राजनीतिक चोला पहना। डीके से ही डीएमके, एआइएडीएमके और एमडीएमके जैसी अन्य द्रविड़ राजनीतिक धाराएं निकलीं जो आज भी परस्पर संघर्षरत हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व होने के बावजूद इन धड़ों में वैचारिक टकराव जारी है। जहां ये विचारधाराएं समय के साथ संकुचित और विखंडित होती गईं तो दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छत्र तले दक्षिणपंथी विचारधारा निरंतर फलती–फूलती गई। स्वतंत्रता से पहले जहां हिंदू महासभा और अभिनव भारत जैसे हिंदुत्व के लिए समर्पित संगठन भी सक्रिय थे तो कालांतर में इस प्रकार के संगठन भी संघ की वैचारिकी में समाहित होते गए। इतना ही नहीं, आरंभ में कांग्रेस के भीतर असंतुष्ट दक्षिणपंथी नेता भले ही संघ से जुड़े संगठनों का सीधा हिस्सा न बने हों, लेकिन उन्होंने संघ परिवार से गलबहियां करने में कोई संकोच नहीं किया। जनसंघ के रूप में संघ का राजनीतिक प्रयोग अपेक्षित रूप से सफल नहीं रहा, लेकिन देश में पहली गैर–कांग्रेसी सरकार के गठन में जरूर उसकी अहम भूमिका रही। यहां तक कि जयप्रकाश नारायण जैसे गांधीवादी नेता को भी संघ से कोई परहेज नहीं रहा। मोरारजी देसाई और जगजीवन राम जैसे दिग्गज कांग्रेसी भी संघ के समर्थन से बनी सरकार का हिस्सा बने। जनता पार्टी के असफल प्रयोग के बाद संघ ने भाजपा के रूप में एक नई शुरुआत को समर्थन दिया और दो लोकसभा सीटों से एक समय 303 लोकसभा सीटों तक पहुंची भाजपा ने अपनी सफलता से चमत्कृत किया है। संघ के अन्य संगठन भी अपने विस्तार में सफल रहे हैं।

> **मोरारजी देसाई और जगजीवन राम जैसे दिग्गज कांग्रेसी भी संघ के समर्थन से बनी सरकार का हिस्सा बने। जनता पार्टी के असफल प्रयोग के बाद संघ ने भाजपा के रूप में एक नई शुरुआत को समर्थन दिया और दो लोकसभा सीटों से एक समय 303 लोकसभा सीटों तक पहुंची भाजपा ने अपनी सफलता से चमत्कृत किया है।**

क्या भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बन जाएगा?

आज भारत के संदर्भ में यह सपना देखा जा रहा है कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न सुधार कार्यक्रमों के बल पर वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। परंतु, सकल घरेलू उत्पाद में औसतन लगभग 7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ क्या भारत वास्तव में वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन पाएगा अथवा भारत को अभी भी कई प्रकार के सुधार कार्यक्रमों को लागू करने की आवश्यकता है। किसी भी देश को अपनी आर्थिक विकास दर को तेज करने के लिए कई प्रकार के सुधार कार्यक्रम लागू करने होते हैं। भारत ने वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, एक लम्बे अंतराल के पश्चात देश में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को वर्ष 1991 में प्रारम्भ किया। जबकि इस समय तक अमेरिका एवं कई यूरोपीय देश विकसित राष्ट्र बन चुके थे एवं चीन ने तो आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को वर्ष 1980 में ही लागू कर दिया था तथा अपनी वार्षिक आर्थिक विकास दर को दहाई के आंकड़े के भी पार ले गया था। भारत इस मामले में बहुत पिछड़ चुका था। राजीव गांधी सरकार ने वर्ष 1985–86 में भारतीय संसद में एक सुधारवादी बजट पेश जरूर किया था परंतु वे इन कार्यक्रमों को बहुत आगे नहीं बढ़ा पाए। परंतु, वर्ष 1991 में श्री नरसिम्हा राव सरकार ने देश में लाइसेन्स राज को समाप्त कर सुधारवादी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया था। इसके पूर्व निजी क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था में उचित स्थान प्राप्त नहीं था और केवल पब्लिक सेक्टर के दम पर ही भारत विकास की राह पर आगे बढ़ रहा था। तात्कालीन केंद्र सरकार द्वारा समाजवादी नीतियों को अपनाए जाने के चलते भारत में सुधारवादी कार्यक्रमों को लागू करने में बहुत अधिक देर कर दी गई थी। वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के पश्चात बड़े उद्योगों पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग पर उचित ध्यान नहीं दिया गया। पेट्रोलियम रिफाइनरी, मशीनरी एवं तकनीकी उद्योगों पर भी विशेष ध्यान नहीं दिया गया जबकि आज यह समस्त उद्योग देश में अत्यधिक सफल होकर देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। वर्तमान में केंद्र सरकार 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। हाल ही के वर्षों में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों में शामिल हैं– वस्तु एवं सेवा कर बिल, ऋणशोधना क्षमता बिल, दिवालियापन बिल, आदि। श्रम कोड को भारतीय संसद ने पास कर दिया है परंतु देश में लागू किया जाना शेष है, कुछ राज्यों जैसे महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण बिल पर कार्य चालू है। ईज आफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में काफी अच्छा काम हुआ है और आज विभिन्न प्राजेक्ट्स को समय पर स्वीकृती मिल जाती है। भारत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित अवस्था में आ चुका है। भारत को विश्व की सबसे कमजोर 5 अर्थव्यवस्थाओं की सूची में से निकालकर विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की श्रेणी में ले आया गया है। फिर भी, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल 7 प्रतिशत की वार्षिक विकास दर काफी नहीं है। वर्ष 2023–24 में भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत की रही है और प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,300 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष है। किसी भी देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में तभी शामिल किया जाता है जब उस देश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय 13,000 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के आस पास हो। इस दृष्टि से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए भारतीय नागरिकों की औसत आय लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़नी चाहिए। इस प्रकार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद भी यदि 8 प्रतिशत के आसपास प्रतिवर्ष बढ़ता है तो वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र निश्चित ही बन सकता है। परंतु इसके

> **वर्तमान में केंद्र सरकार 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। हाल ही के वर्षों में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों में शामिल हैं - वस्तु एवं सेवा कर बिल, ऋणशोधनाक्षमता बिल, दिवालियापन बिल, आदि।**

लिए भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को और अधिक गति देनी होगी। आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम लम्बे समय तक चलने वाली सतत प्रक्रिया है। कई बार तो सुधार कार्यक्रम सम्बंधी कानून बनाने के बाद उन्हें लागू करने में भी लम्बा समय लग जाता है। जैसे भारत में 4 श्रम कोड वर्ष 2019–2020 के बीच में संसद द्वारा पास किए गए थे परंतु इन कोड को अभी भी लागू नहीं किया जा सका है। हालांकि वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं परंतु अभी भी कई क्षेत्रों में काम किया जाना शेष है। जैसे, भारत में पूंजी आज भी बहुत अधिक ब्याज दर पर उपलब्ध हो पाती है, हालांकि ऋण प्रदान करने सम्बंधी नियमों को शिथिल बनाया गया है, परंतु पूंजी की लागत बहुत अधिक है। भारत में युवा जनसंख्या अच्छी तादाद में है, आज भारत के नागरिकों की औसत आयु केवल 29 वर्ष है जो विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है। यह भारत के लिए यह लाभदायक स्थिति है परंतु भारत आज भी इस स्थिति का लाभ नहीं उठा पा रहा है। इस प्रकार के कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर भारत में अभी भी बहुत काम किए जाने की आवश्यकता है। भारत को अभी भी आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में संरचनात्मक बदलाव की बहुत अधिक आवश्यकता है। हमारे देश की मजबूती किन क्षेत्रों में हैं इन क्षेत्रों को चिन्हित कर हमें उन क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे उत्पादकता के मामले में अन्य देशों, विशेष रूप से पश्चिमी देशों, की तुलना में हम अभी भी बहुत पिछड़े हुए हैं। उत्पादकता कम होने के चलते भारत में निर्मित उत्पादों की लागत अधिक रहती है। देश में करों की दर (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष) अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, इसे कम करने के सम्बंध में गम्भीरता से विचार करने की आज महती आवश्यकता है। साथ ही, बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋण पर ब्याज की दर भी बहुत अधिक है, इससे भी उत्पादन लागत में वृद्धि होती है और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक लागत के चलते टिक नहीं पाते हैं। अत: अब समय आ गया है कि ब्याज दरों को कम करने के बारे में भी गम्भीरता से विचार हो। देश में हर समय कहीं न कहीं चुनाव हो रहे होते हैं और कई बार तो देश के बहुत बड़े भू भाग पर चुनाव आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र एवं राज्य सरकारों को अपने पूंजीगत खर्चे रोकने होते हैं, इससे देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अत: देश में वन नेशन वन इलेक्शन को भी लागू करने की महती आवश्यकता है। साथ ही, आजकल कुछ राज्य सरकारों के बीच नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की जैसे होड़ ही लग गई है। मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने से इन प्रदेशों के बजट पर अत्यधिक दबाव उत्पन्न होता है। अत: इस प्रकार के खर्चों पर रोक लगाए जाने की भी आज आवश्यकता है। भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत से भी ऊपर ले जाया जा सकता है यदि हिंदू सनातन संस्कृति की अर्थव्यवस्था को भारत में बढ़ावा दिया जाय। इसके लिए देश के ब्यूरोक्रेसी के सोच में परिवर्तन लाना भी आवश्यक है। भारत में भव्य मंदिरों का निर्माण कर एवं इन स्थानों पर अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए धार्मिक पर्यटन को जबरदस्त बढ़ावा दिया जा सकता है। इससे होटल उद्योग, परिवहन उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को बहुत लाभ होगा एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे। देश में शादियों के मौसम में लाखों करोड़ रुपए का खर्च होता है तथा विभिन्न त्यौहारों पर भी भारतीय नागरिकों के खर्च में अत्यधिक वृद्धि हो जाती है। इस सबका प्रभाव अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक रहता है, अत: शादियों के मौसम एवं विभिन्न त्यौहारों पर नागरिकों को सरकार द्वारा विशेष सुविधाएं प्रदान करने से विभिन्न उत्पादों की खपत में वृद्धि की जा सकती है। और, अंतत: यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में सहायक होगा। अत: हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को देश में लागू करने के संदर्भ में अब देश के ब्यूरोक्रेसी को गम्भीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आज अतीत के बोझ को छोड़कर भविष्य की तरफ देखने की भी आवश्यकता है और देश के आर्थिक विकास के लिए नित नए क्षेत्रों की तलाश भी जारी रखनी होगी। हाल ही के समय में देश में बचत एवं निवेश दर में कमी देखी जा रही है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी कमी दृष्टिगोचर हुई है और विदेशी व्यापार घाटा भी लगातार बढ़ रहा है क्योंकि देश में स्वर्ण एवं कच्चे तेल का आयात अत्यधिक मात्रा में हो रहा है और विभिन्न उत्पादों का निर्यात उस गति से नहीं बढ़ पा रहा है। स्वर्ण के आयात को तो नियंत्रित करना आवश्यक है क्योंकि यह किसी भी प्रकार की उत्पादकता अथवा लाभ अर्जन में भागीदारी नहीं करता है बल्कि यह निवेश निष्क्रिय निवेश की श्रेणी में गिना जाता है। स्वर्ण में निवेश की जा रही विदेशी मुद्रा को यदि विनिर्माण इकाईयों की स्थापना पर खर्च किया जाय तो यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में सहायक होगा। किसी भी विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए विशेष रूप से 6 घटकों की आवश्यकता होती है यथा– भूमि, पूंजी, श्रम, नई तकनीकी, संगठन एवं साहस। भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार नौकरी को निकृष्ट कार्य की श्रेणी में गिना जाता रहा है एवं अपना उद्यम चलाना उच्च कार्य माना जाता है। अत: संगठन क्षमता एवं साहस भारत के मूल नागरिकों के डीएनए में है। नई तकनीकी को विकसित करने में भारत के युवा इंजीनीयरों ने पूरे विश्व को राह दिखाई है। अत: भारत में केवल भूमि, पूंजी एवं श्रम की लागत को कम करने में यदि सफलता हासिल की जा सके तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत से भी ऊपर ले जाया जा सकता है। भूमि, पूंजी एवं श्रम जहां भी आसानी से एवं उचित दामों पर उपलब्ध होंगे वहां उद्योग धंधे आसानी से फलेंगे एवं फूलेंगे।

भारत के भविष्य को आकार देने की पहल

कई हजार साल से भी पहले राजस्थान के जावर में जिंक के खनन से लेकर कोहिनूर की खोज तक भारत ने लंबे समय से खदानों और खनिजों के सामरिक महत्व को समझा है। हमारे पूर्वज इस बात को भलीभांति समझते थे कि खदानें राजकोष का एक प्रमुख स्रोत हैं। खदानें देश के आर्थिक विकास, उद्योगों को बढ़ावा देने, रोजगार निर्माण, देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैज्ञानिक एवं तकनीकी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसे देखते हुए महत्वपूर्ण खनिजों के लिए सुधारों की एक श्रृंखला प्रारंभ की गई है। इसी कड़ी में 2015 में, खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए जिसने खनन क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी और एक पारदर्शी नीलामी व्यवस्था की शुरुआत हुई। इसके कारण 442 ब्लाकों की नीलामी पारदर्शिता से की गई और राज्यों को नीलामी प्रीमियम और रायल्टी के रूप में लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की स्थापना के बाद 6,000 करोड़ रुपये का उपयोग अन्वेषण गतिविधियों में हुआ है। इसके अलावा, खनिज संपन्न जिलों में जिला खनिज निधि को एक लाख करोड़ रुपये मिले, जिनका उपयोग स्थानीय विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी जनकल्याणकारी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। आज महत्वपूर्ण खनिज नए युग की तकनीक से प्रेरित समाज की जीवनरेखा बन गए हैं। जब देश स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत तकनीकों की ओर बढ़ रहा है, तो महत्वपूर्ण खनिजों को न्यू आयल के रूप में देखा जा रहा है। लीथियम, कोबाल्ट और निकल जैसे खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों और सेमीकंडक्टर के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी तरह, फास्फेट, पोटाश और ग्लौकोनाइट कृषि उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं, जबकि टाइटेनियम और बेरिलियम एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में आवश्यक हैं। इसलिए भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की आवश्यकता है। भविष्य की इन मांगों के प्रति व्यापक दूरदृष्टि रखते हुए 16,300 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन (राष्ट्रीय

> **मिशन इस अंतर को पाटने और यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है कि भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व करे न कि उसका अनुसरण रहे। कुल मिलाकर भारत का यह राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन केवल आज की चुनौतियों का जवाब नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है।**

महत्वपूर्ण खनिज मिशन) की शुरुआत का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। घरेलू उत्पादन में तेजी लाने, विदेश से महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करने और प्रौद्योगिकी विकास आदि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस मिशन को आरंभ करने की घोषणा वित्त वर्ष 2024–2025 के आम बजट में की गई थी। इससे अब महत्वपूर्ण खनिजों की दीर्घकालिक सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने और भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। यह मिशन भारत को उन चुनिंदा देशों में शामिल करेगा, जो भावी पीढ़ी की मांगों को पूरा करने के लिए अपनी अर्थव्यवस्थाओं को रणनीतिक रूप से नया आकार दे रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन की दिशा में तेज गति प्रदान करेगा और आत्मनिर्भर भारत के लिए एक रणनीतिक आधार तैयार करेगा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुमानों के अनुसार, इन खनिजों की वैश्विक मांग 2030 तक तीन गुनी और 2040 तक चार गुनी हो जाएगी। वर्तमान में हमारे अधिकांश महत्वपूर्ण खनिज पूरी तरह से आयातित हैं। सरकार ने इस मिशन के जरिये इस दिशा में आत्मनिर्भरता के साथ–साथ वैश्विक बाजार में निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। इस मिशन का लक्ष्य घरेलू स्तर पर 1,200 खनिज–समृद्ध स्थलों की खोज करना है। साथ ही बौद्धिक संपदा उत्पन्न करना भी है, जिसका लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला में 1,000 पेटेंट प्राप्त करना है। यह मिशन 100 घरेलू अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का भी समर्थन करेगा और खनन एवं प्रसंस्करण से लेकर पुनर्चक्रण तक महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले 10,000 कुशल पेशेवरों का निर्माण करेगा। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत खनिज प्रसंस्करण पार्कों, उत्कृष्टता केंद्रों और लक्षित कौशल विकास कार्यक्रमों की स्थापना यह सुनिश्चित करेगी कि भारत महत्वपूर्ण खनिज नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र बने। वर्ष 2030 तक भारत का लक्ष्य अपनी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करना और कार्बन उत्सर्जन को एक अरब टन कम करना है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लीथियम–आयन बैट्री जैसी तकनीकों के घरेलू विनिर्माण की आवश्यकता है, जिसके लिए लीथियम, निकल और कोबाल्ट की पर्याप्त मात्रा की आवश्यकता होगी। मिशन इस अंतर को पाटने और यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है कि भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व करे न कि उसका अनुसरण रहे। कुल मिलाकर भारत का यह राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन केवल आज की चुनौतियों का जवाब नहीं है, बल्कि यह भारत के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। साथ ही यह भारत को स्वच्छ ऊर्जा के लिए वैश्विक परिवर्तन का नेतृत्व करने, हमारी विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए है। यह मिशन हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने, आर्थिक विकास सुनिश्चित करने और हमारी ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक समग्र प्रयास है।

हृदयविदारक हादसे के लिए जिम्मेदार कौन?

महाकुंभ में भगदड़ मचने से 30 श्रद्धालुओं की मौत ने पुन: यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि आखिर अपने देश में भारी भीड़ वाले आयोजनों में जानलेवा हादसे क्यों होते रहते हैं? प्रयागराज में मेला क्षेत्र में रात दो बजे के करीब भगदड़ इसलिए मच गई, क्योंकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ आए। उनके दबाव से बैरीकेड टूट गई और फिर अव्यवस्था फैल गई। इसके चलते लोग एक के ऊपर एक चढ़ते गए और आपाधापी में उन्होंने उन लोगों को भी कुचल दिया, जो मौनी अमावस्या पर संगम में डुबकी लगाने के लिए शुभ घड़ी की प्रतीक्षा कर रहे थे। इनमें से कुछ तो वहां सो रहे थे। जब प्रशासन इससे अच्छी तरह अवगत था कि मौनी अमावस्या पर करोड़ों श्रद्धालु आएंगे, तब उसने उन्हें संगम तट पर रुकने और सोने से क्यों नहीं रोका? जब श्रद्धालुओं की अथाह भीड़ आनी थी, तब लोगों को संगम तट पर प्रतीक्षा करने और विश्राम करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए थी, क्योंकि इससे भीड़ का अनावश्यक दबाव बढ़ता। प्रशासन की प्राथमिकता तो यह होनी चाहिए थी कि श्रद्धालु आते जाएं और स्नान कर प्रस्थान करते जाएं लगता है वह स्थिति का आकलन करने में चूक गया और इसी के चलते अनहोनी हो गई। इस तरह की अप्रिय घटनाएं केवल सुरक्षा प्रबंधों में किसी कमी के कारण ही नहीं होतीं। वे लोगों की ओर से अनुशासन का परिचय न देने के कारण भी होती हैं। प्राय: आस्था के आवेग में लोग या तो संयम खो देते हैं या फिर सुरक्षा प्रबंधों की अनदेखी कर देते हैं और दुर्भाग्य से कई बार वहां भी, जहां कोई भी सुरक्षा व्यवस्था तभी प्रभावी हो सकती है, जब लोग प्रशासन का सहयोग करें और उसके निर्देशों का पालन करने के लिए तत्पर रहें। काश, महाकुंभ पहुंचे सभी श्रद्धालु यह समझ पाते कि मानव इतिहास के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में उन्हें श्रद्धा भाव के साथ ही अनुशासन भाव का भी परिचय देना होगा। जब भी इसका अभाव व्याप्त होता है, भगदड़ जनित घटनाएं हो जाती हैं। यह पहले से संभावित था कि मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में आठ–दस करोड़ श्रद्धालु आ सकते हैं। इतनी तो अनेक देशों की कुल जनसंख्या भी नहीं। महाकुंभ में भगदड़ के बाद जिस तरह आसपास के जिलों से आ रहे वाहनों को रोकना पड़ा और श्रद्धालुओं से भरी ट्रेनों को रुक–रुक कर चलाना पड़ा, उससे यह भी रेखांकित हो रहा है कि जब भीड़ प्रबंधन एक कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य दिख रहा था, तब ऐसे किसी संदेश के प्रचार–प्रसार से क्यों नहीं बचा गया कि महाकुंभ में स्नान की सबसे पावन बेला मौनी अमावस्या ही है? यह राहतकारी तो है कि भगदड़ के बाद स्थितियां नियंत्रण में कर ली गईं, लेकिन जो अनहोनी हुई, उससे सही सबक सीखने अनिवार्य हैं।

बजट सत्र में हंगामा न हो, सार्थक चर्चा से ही निकलेगा समाधान

संसद के बजट सत्र को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में हुई चर्चा को संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने बहुत रचनात्मक बताया, लेकिन यह कहना कठिन है कि इस सत्र के दौरान संसद की कार्यवाही रचनात्मक ही रहेगी। यह कहना इसलिए कठिन है, क्योंकि अब संसद में किसी न किसी बहाने हंगामा ही अधिक होता है।

विपक्ष अपनी ओर से महत्वपूर्ण माने जाने वाले जिन विषयों को उठाने पर जोर देता है, उन पर सार्थक विचार–विमर्श में कम ही रुचि दिखाता है। पता नहीं क्यों और कैसे यह मान लिया गया है कि किसी मसले पर हंगामा करने मात्र से उस पर चर्चा का उद्देश्य पूरा हो जाता है? किसी मुद्दे पर हंगामा करने से वह सतह पर अवश्य आ जाता है, लेकिन देश की जनता को यह पता नहीं चल पाता कि राजनीतिक दल उसे किस तरह सुलझाना चाहते हैं? सार्थक चर्चा के अभाव में देश को कोई दिशा नहीं मिल पाती।

उसे बस ऐसी खबरें मिलती हैं कि संसद में हंगामा हुआ, नारेबाजी हुई, सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने यह स्पष्ट किया कि वह महाकुंभ में हुई भगदड़ पर चर्चा को प्राथमिकता देगा। इसमें कोई हर्ज नहीं, लेकिन क्या इससे यह संकेत नहीं मिलता कि उसने अपने स्तर पर राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों की तलाश

नहीं की? यह ठीक है कि विपक्षी नेताओं ने यह भी कहा कि वे महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे भी उठाएंगे, लेकिन ये तो वे विषय हैं, जिन्हें लेकर सदैव सरकार को घेरने की कोशिश की जाती है। विडंबना यह है कि इन मुद्दों पर भी घिसे–पिटे विचार प्रकट किए जाते हैं। यह तय माना जाना चाहिए कि बजट चाहे जैसा हो, विपक्ष उसे सिरे से खारिज करते हुए यही कहेगा कि वह किसी काम का नहीं और उसमें किसानों, नौजवानों, महिलाओं आदि के लिए कुछ भी नहीं। इस तरह की प्रतिक्रियाएं विपक्ष की विचारशून्यता का ही परिचायक होती हैं। अच्छा हो कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाए कि महंगाई, बेरोजगारी आदि के साथ संसद का सही तरह न चलना भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यदि संसद सही तरह नहीं चलेगी और वहां मुद्दे उठाने के नाम पर हंगामा अधिक होगा तो फिर जनाकांक्षाओं के इस सर्वोच्च मंच की महत्ता और गरिमा ही कम होगी। संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक चर्चा कैसे हो, इसके लिए विपक्ष के साथ–साथ सत्तापक्ष को भी तत्परता दिखानी होगी। इसलिए दिखानी होगी, ताकि बजट के साथ–साथ संसद के इस सत्र में वक्फ एवं एक साथ चुनाव समेत जो अन्य महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाने हैं, उन पर सचमुच गंभीर चर्चा हो सके। विपक्ष को यह शिकायत करने का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए कि उसे अपनी बात नहीं कहने दी जा रही है।

लाइव शो में मोनाली ठाकुर को सांस लेने में तकलीफ हुई, सिंगर को अस्पताल में भर्ती कराया

बॉलीवुड की लोकप्रिय सिंगर मोनली ठाकुर पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में दिनहाटा महोत्सव में लाइव सिंगिंग कर रही थी। जहां मंच पर सिंगर लाइव परपर्मोंस दे रही थीं। अभी मोनाली का इलाज उसी अस्पताल में चल रहा है। लेकिन अभी तक मोनाली ने सोशल मीडिया पर हेल्थ की कोई अपडेट नहीं दी। हाल ही में बॉलीवुड की फेमस सिंगर मोनाली ठाकुर लाइव परफॉरमेंस के दौरान सांस लेने नें गंभीर दिक्कत हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। सिंगर ने बॉलीवुड में सवार लूं और मोह-मोह के धागे जैसे हिट गाने दिए है। लोकप्रिय गायिका दिनहाटा फेस्टिवल में परफॉर्म कर रही थीं, स्टेज पर सिंगिग करते समय उन्हें अचानक से सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इवेंट में मौजूद फैन्स ने बताया कि सिंगर को बहुत तकलीफ हो रही थी और मोनली ने तुरंत अपना प्रदर्शन रोक दिया है। मोनली ठाकुर को अस्पताल ले जाया गयालाइव शो के दौरान मोनाली ठाकुर की अचानक से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद सिंगर को दिनहांटा उप-जिला अस्पताल ले जाया गया। उनकी टीम ने तुरंत हस्तक्षेप किया और चिकित्सा सहायता के लिए बुलाया। कुछ ही देर में एम्बुलेंस आ गई और मोनली को तुरंत इंलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। बता दें कि, सिंगर को कूच बिहार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अभी मोनाली का इलाज उसी अस्पताल में चल रहा है। लेकिन अभी तक मोनाली ने सोशल मीडिया पर हेल्थ की कोई अपडेट नहीं दी। **इससे पहले भी कॉन्सर्ट बीच में रोक दिया था**–कुछ ही हफ्ते पहले, मोनाली तब सुर्खियों में आई थीं, जब उन्होंने वाराणसी में अपने कॉन्सर्ट को अचानक से रोक दिया था, जिसमें उन्होंने अनुचित व्यवस्था समेत कुप्रबंधन का हवाला दिया था। सिंगर को लगा कि इससे टखने में चोट लगने का खतरा हो सकता है और उन्होंने अपने प्रशंसकों से माफी मांगी थी। कॉन्सर्ट का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मोनल कहती दिख रही थीं, ÷मैं निराश हूं कि मेरी टीम और मैं यहां परफॉर्म करने के लिए इतने उत्साहित थे। चलिए बुनियादी ढांचे और इसकी स्थिति के बारे में बात नहीं करते, क्योंकि यह प्रबंधन की जिम्मेदारी है। बार-बार, मैंने कहा है कि मैं यहां अपने टखने को चोटिल कर सकती हूं।

सारा अली खान को डेट कर रहे अर्जुन बाजवा? रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा है कि वो एक्टर-मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा को डेट कर रही हैं। अब इस अफवाह पर सारा के रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

सैफ अली खान की बेटी और बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उनका इंस्टा अकाउंट देखकर पता चलता है कि सारा अली खान को घूमना-फिरना काफी पसंद है। पिछले साल सारा अली खान केदारनाथ पहुंची थीं। उस वक्त अर्जुन बाजवा ने भी अपने सोशल मीडिया पर केदारनाथ धाम की तस्वीरें शेयर की थीं। एक वक्त पर दोनों ने केदारनाथा की फोटो शेयर की थीं जिसके बाद ये चर्चा शुरू हो गई थी कि सारा अली एक्टर-मॉडल अर्जुन बाजवा को डेट कर रही हैं। अब अर्जुन बाजवा ने खुद इस अफवाह के बारे में चुप्पी तोड़ी है। **सारा को डेट कर रहे अर्जुन?**टीम वरिंदर चावला के साथ खास बातचीत मेम अर्जुन ने इस बारे में बात की। उन्होंने साफ किया कि वो सारा अली खान को डेट नहीं कर रहे हैं। अर्जुन बाजवा ने कहा, ÷तो लोगों को जो लिखना है, वो लिखेंगे। वो उनका काम है। वो अपना काम कर रहे हैं। मैं बस अपने आप पर फोकस करता हूं और मुझे क्या करना है, और इससे मुझे फर्क भी नहीं पड़ता है।÷ अर्जुन ने सारा को डेट करने की अफवाह को झूठा बताया। **कब शुरू हुई दोनों के डेटिंग की अफवाह?** सारा और अर्जुन की डेटिंग रूमर्स अक्टूबर 2024 से शुरू हुई थी। जब दोनों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ही वक्त में केदारनाथ की तस्वीरें शेयर की थीं। इसके बाद, दिसंबर में सोशल मीडिया यूजर्स ने कुछ तस्वीरें देखकर कयास लगाया कि दोनों राजस्थान में साथ में छुट्टियां मना रहे हैं।

बिग बॉस विनर करण वीर मेहरा से तलाक के बाद निधि सेठ ने की दूसरी शादी, मंदिर में इस शख्स संग लिए फेरे

बिग बॉस 18 विनर करण वीर मेहरा ने एक तरफ जहां रियलिटी शो की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, अब उनसे जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। करण की एक्स वाइफ निधि सेठ ने दूसरी शादी कर ली है। निधि ने अचानक ही शादी की तस्वीरें शेयर कर अपने फैंस को हैरान कर दिया। निधि ने तस्वीरों के साथ एक खास कैप्शन लिखा है। **निधि ने मंदिर में लिए सात फेरे**–एक्ट्रेस निधि सेठ ने करण वीर मेहरा से तलाक के बाद अब आगे बढ़ चुकी हैं। निधि ने 23 जनवरी को इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर कर फैंस को हैरान कर दिया। निधि की ये शादी फैंस के लिए काफी सरप्राइजिंग रही। निधि ने बैंगलोर के एक मंदिर में शादी की। इस दौरान निधि ने गुलाबी रंग की बनारसी साड़ी पहनी है। इसके साथ एक्ट्रेस ने गोल्ड ज्वैलरी कैरी की है जो उन पर काफी सूट कर रही है। इसके साथ निधि का मिनिमल मेकअप उन्हें और भी खूबसूरत बना रहा है। वहीं, उनके न्यूली हसबैंड ने ब्लू कलर के फ्लोरल कुर्ता और व्हाइट पायजामा पहना है, जिसमें वो काफी हैंडसम लग रहे हैं। **कैप्शन में लिखी दिल की बात**–निधि सेठ ने अपनी शादी की तस्वीरों को शेयर करने के साथ ही खास कैप्शन लिखा है। निधि ने लिखा, आपने मुझे दिखाया है कि प्यार कोई संघर्ष नहीं, बल्कि ये एक साझा करने वाली खूबसूरत यात्रा है। हमारी शादी में हमेशा हम की जगह मैं होता है। आपकी अटूट निष्ठा और परवाह ने मुझे प्यार से भरा है और स्वतंत्र महसूस कराया। मुझे विश्वास है कि हमारा बंधन हर दिन मजबूत होता जा रहा है। पिछले दो सालों से आपने यादों को खजाने में बदल दिया है और हर खुशी और चुनौती में मेरे साथ खड़े रहे हैं। मैं आपके सपोर्ट, दयालुता और हमारे बीच के खूबसूरत रिश्ते के लिए आभारी हूं। मेरा सहारा बनने के लिए, मुझे ÷हां÷ कहने के लिए और मेरे जीवन को प्यार से भरने के लिए धन्यवाद। आई लव यू SK' निधि की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब पसंद की जा रही हैं।

रिया चक्रवर्ती पर रोडीज शो में भड़कीं नेहा धूपिया, कहा- जबान संभालकर

नेहा धूपिया और रिया चक्रवर्ती शो रोडीज में नजर आने वाले हैं। दोनों गैंग लीडर हैं और हाल ही में शो के दौरान दोनों के बीच बहस हो गई।

पॉपुलर टीवी शो रोडीज नए सीजन के साथ वापस दर्शकों को एंटरटेन करने आ रहा है। शो में फिर फन, एक्साइटमेंट और झगड़े देखने को मिलने वाले हैं। कई बार गैंग लीडर्स के बीच भी कंटेस्टेंट्स और गेम को लेकर लड़ाई हो जाती हैं। अब रिया चक्रवर्ती और नेहा धूपिया के बीच भी बहस हो गई और यह बहस इतनी बढ़ गई कि नेहा, रिया को बोल देती हैं कि जंभाल संभालो अपनी।

क्या हुआ रिया-नेहा के बीच–दरअसल, सेलेक्शन प्रोसेस टास्क के दौरान सब सही चल रहा था, लेकिन तभी गैंग लीडर्स रिया चक्रवर्ती और नेहा धूपिया के बीच लड़ाई हो जाती है। होता क्या है कि मस्ती करते हुए रिया, नेहा के लिए एक टर्म यूज करती हैं जिससे नेहा को बुरा लग जाता है।

नेहा ने सुनाया–इसके बाद नेहा बोलती हैं कि जबान संभालो। उनके कमेंट से साफ पता चल रहा है कि उन्हें रिया की बात पसंद नहीं आई।बता दें कि पहली बार नहीं जब शो के दौरान की बहस या विवाद सुर्खियों में आई हो। पिछले सीजन में प्रिंस नरूला और गौतम गुलाटी के बीच काफी लड़ाई होती थी। इतना ही नहीं दोनों की लड़ाई शो के बाहर रियल लाइफ में भी काफी बड़ी हो गई थी।

रोडीज एक्स एक्स–रोडीज की बात करें तो 15 साल से यह शो आ रहा है और रणविजय सिंह इस शो से सबसे लंबा जुड़ा हैं। हालांकि 17वें सीजन में उन्होंने शो छोड़ दिया था और उनकी जगह सोनू सूद आए थे। लेकिन रोडीज एक्स एक्स ओजी लीडर के साथ वापस आ रहा है। प्रिंस नरूला, रिया चक्रवर्ती, नेहा धूपिया गैंग लीडर्स होंगे। कहा ऐसा भी जा रहा है कि एल्विश यादव भी शो में गैंग लीडर बनकर आएंगे।

स्वरा भास्कर बोलीं, राजनीतिक विचारधारा की वजह से बॉलीवुड ने किया ब्लैकलिस्ट; जेल में हैं कुछ दोस्त

स्वरा भास्कर की बेबाकी अक्सर कॉन्ट्रोवर्सीज को हवा देती है। अब एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने माना कि उनकी राजनीतिक विचारधारा की वजह से उनको फिल्में नहीं मिल रहीं। बोलीं कि उन्हें बॉलीवुड ने ब्लैकलिस्ट कर दिया है।स्वरा भास्कर दमदार एक्ट्रेस हैं। हालांकि अपने मन की बात बेबाकी से सबके सामने रखने पर वह अक्सर कॉन्ट्रोवर्सीज में आ जाती हैं। स्वरा का कहना है कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री से ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। स्वरा का मानना है कि उनकी राजनीतिक विचारधारा की वजह से उनके करियर पर ब्रेक लग गया है।**पता था कीमत चुकानी होगी**–स्वरा भास्कर 2022 में जहां चार यार फिल्म में दिखाई दी थी। उनको लगता है कि वह राजनीति पर जिस बेबाकी से बोलती हैं, उससे उनका करियर रुक गया है। बीबीसी से बातचीत में स्वरा बोलीं, %मेरी जिस तरह की राजनीतिक विचारधारा है, उस वजह से मुझे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। इस बात से अब इन्कार करने का कोई मतलब नहीं। यह सबको पता है। लेकिन इससे मेरे मन में बहुत कड़वाहट नहीं है। मैं रास्ता चुना और मुझे पता था कि इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।**काम न मिलना करता है हर्ट**–हालांकि ऐसा नहीं है कि स्वरा इस बात से पूरी तरह अप्रभावित हों। उन्होंने कहा, बुरा लगता है। मुझे अपना काम पसंद था और आज भी है। मैं बहुत सक्षम एक्टर रही हूं और उम्मीद करती हूं कि आगे भी रहूंगी। तो वो हिस्सा दर्द देता है, लेकिन ठीक है क्योंकि मुझे वजह पता है। स्वरा ने कहा कि इसके लिए सिर्फ बॉलीवुड ही जिम्मेदार नहीं। वह बोलीं, मैं बॉलीवुड या प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स को इसके लिए दोष नहीं देती। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां पावर में बैठे लोग उनको सजा देते हैं जो उनके विचारों से सहमत न हों।

श्रेया चौधरी

मनीषा कोइराला से बहुत कुछ सीखा, मां-बाप ने सिखाया प्यार के लिए दुनिया से लड़ना

बंदिश बैंडिट्स के सीजन 2 से चर्चा में आईं एक्ट्रेस श्रेया चौधरी ने इससे पहले भी कई शोज और वेब सीरीज में काम किया है। उनके रोल्स काफी दमदार रहे हैं और वो अभी एक्टिंग में नए मुकाम की तलाश में हैं। श्रेया ने अपने आइडल्स से लेकर मम्मी-पापा के बारे में भी नवभारत टाइम्स के साथ बात की। ओटीटी ने कई नए कलाकारों को न केवल अभिनय की जमीन दी, मगर साथ ही नई-नई भूमिकाओं में एक्सपेरिमेंट करने का हौसला भी। ऐसे ही कलाकारों में एक अभिनेत्री हैं श्रेया चौधरी, जो इन दिनों वेब सीरीज %बंदिश बैंडिट्स के सीजन 2% से चर्चा में हैं। अपनी इस सीरीज में उन्हें नसीरुद्दीन शाह और दिव्या दत्ता जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है, मगर वे इससे पहले मनीषा कोइराला के साथ डियर माया में काम कर चुकी हैं। उनका कहना है कि मनीषा कोइराला से उन्होंने बहुत कुछ सीखा। वे कहती हैं, %मैं उस वक्त काफी नई थी। 2017 की बात है। मैं जब पहले दिन सेट पर पहुंची, तो बहुत नर्वस थी। मैंने देख कि मेरे सामने एक ऐसी अभिनेत्री खड़ी हैं, जिन्होंने अपने जीवन में सब कुछ अचीव कर लिया है। कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, मगर सेट पर उनकी विनम्रता देखते बनती थी। वे मुझसे इतने प्यार से मिलीं कि मैं तो एकदम अभिभूत हो गई। वे रोजाना सेट पर अपनी पूरी रिहर्सल करतीं। उन्होंने कभी ये नहीं जताया कि वे बड़ी अभिनेत्री हैं। अपनी इस सीरीज में मैं नसीर सर, दिव्या और शीबा मैम (दिव्या दत्ता और शीबा) के साथ काम कर चुकी हूं। जितने भी बड़े आर्टिस्ट हैं, उनमें एक बात मैंने जरूर देखी है कि वे सेट पर ऐसे आते हैं, जैसे पहली बार अभिनय करने आए हों। इन सभी कलाकारों में मैंने बच्चों-सी उत्सुकता देखी। वही जिज्ञासा, जो पहली बार होती है। मुझे लगता है कि यही बातें इन्हें बड़ा कलाकार बनाती हैं।

इम्तियाज अली सर की हीरोइन बनना चाहती हूं-बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रेया इम्तियाज अली निर्देशित शॉर्ट फिल्म,द अदर वे में काम कर चुकी हैं। वे कहती हैं, इम्तियाज अली सर ही थे, जिन्होंने मुझे यकीन दिलाया कि मैं अभिनेत्री बन सकती हूं और सही राह पर हूं। मैंने उनसे अभिनय की बारीकियां सीखी और मेरी दिली इच्छा है कि इम्तियाज सर की फिल्मों की हीरोइन बनूं। मैं कोलकाता से हूं और हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थी, मगर मेरा यकीन पुख्ता करने में इम्तियाज सर का बहुत बड़ा हाथ रहा। जल्द ही मैं बोमन इरानी निर्देशित मेहता बॉयज में नजर आऊंगी। मेरा रोल काफी दिलचस्प है। मैं फिल्म को लेकर काफी उत्सुक हूं।

मेरी मां ने दिए प्यार को लेकर टिप्स-ब्यूटी पेजेंट्स में कई टाइटल जीत चुकी श्रेया अपनी हालिया सीरीज बंदिश बैंडिट्स में सिंगर तमन्ना का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी संगीत की विरासत के बावजूद एक जुनूनी प्यार में पड़ जाती हैं। उनसे जब पूछा जाता है कि वे किस तरह के प्यार में यकीन करती हैं? क्योंकि आज प्यार ने बहुत मॉडर्न रूप ले लिया है, तो वे कहती हैं, मेरे सामने प्यार का सबसे खूबसूरत रूप मेरे माता-पिता हैं, जो अलग कास्ट से आते हैं। जब उन्होंने प्यार किया, तो उनकी शादी के लिए उनके परिवार कत्तई राजी नहीं थे, मगर वे अपने प्यार पर अडिग रहे और वे आज भी साथ हैं। मेरी मां ने मुझे और मेरे भाई को प्यार को लेकर एक सलाह दी कि कभी भी किसी से प्यार करना, तो इतना करना कि उसके लिए पूरी दुनिया से लड़ सको। मेरे पैरेंट्स के कारण प्यार को लेकर मेरी सोच जुनूनी और ओल्ड स्कूल है। मैं उसी तरह का प्यार करती हूं, मगर हां, आज की तारीख में मैं प्यार के बजाय अपने करियर पर ध्यान देना चाहती हूं। मैं एक ओल्ड स्कूल लवर हूं।

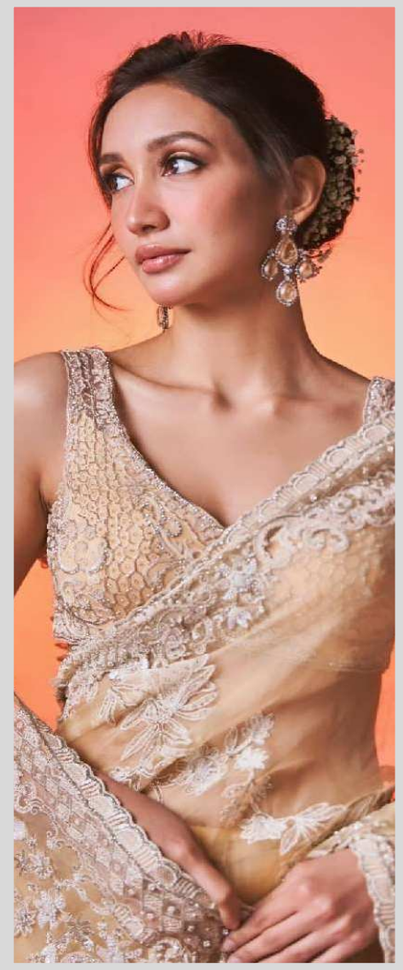

न्यूज-ब्रीफ

शिविर में 49 यूनिट रक्त संग्रह, निशुल्क 543 का स्वास्थ्य जांचा

कलम का अधिकार

कोटा। लायंस क्लब कोटा साउथ, महाविद्यालय एनएसएस इकाई रेड रिबन क्लब तथा सुधा ब्लड बैंक सुधा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को ओम कोठारी संस्थान में स्व.ओम प्रकाश कोठारी की 52वीं पुण्यतिथि पर सात दिवसीय एनएसएस कैंप के तहत रक्तदान शिविर एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 49 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में विद्यार्थियों,स्टाफ सदस्यों एवं आसपास के अनंतपुरा एवं बरड़ा बस्ती के 543 लोगों ने विभिन्न निशुल्क जांचों एवं परामर्श का लाभ उठाया। लायंस क्लब कोटा साउथ के अध्यक्ष किशन गुप्ता ने बताया कि फिजिशियन डॉ.जीडी रामचंदानी, स्त्री रोग विशेषज्ञ हिमानी विजय, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.अमित नंदवाना, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. निकिता जोशी, एक्यूप्रेशर डॉ. राजकुमार सोनी, साइकोलॉजिस्ट डॉ.शिवांगी निषाद ने सेवाएं दीं।

कलश यात्रा में शाहबाद के जंगल बचाने का संकल्प लिया

कलम का अधिकार

कोटा। कौशिक गायत्री परिवार बोरखेड़ा आश्रम के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय बसंत पंचमी महोत्सव का शुभारंभ गीता भवन से भव्य कलश यात्रा से हुआ ,जिसमें साधकों ने कलशों की पूजा कर शाहबाद के जंगलों का बचाने का संकल्प लिया। बोरखेड़ा आश्रम के मुख्य संचालक यज्ञ दत्त हाडा एवं धर्मपत्नी राजेश हाडा सुसज्जित बग्घी में सवार हुए। सुमधुर भजनों की धुन कलश यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए नयापुरा बाग एवं बोरखेड़ा आश्रम पहुंची। गीता भवन में पूर्व महापौर सुमन श्रृंगी, कथावाचक कमलेश शर्मा बृजवासी,पर्यावरण विद् गीता दाधीच, बृजेश विजयवर्गीय, शिक्षाविद् रमेश विजय,डा प्रीति जासू,डा मुकेश दाधीच, मनीषा कंवर,चम्बल संसद जल बिरादरी के युधिष्ठिर चानसी, किसान नेता नंद किशोर शर्मा,आश्रम के अंशुमान सिंह,समाजसेवी अरुण भार्गव,संदीप नरूका ,अर्चना राजावत ,ओम सुमन, आदिवासी साधक शाहबाद किशनगंज, छबड़ा चाचोड़ा, खेड़ा झालावाड़ से भी साधकों ने भाग लिया।आश्रम के प्रबंधक नंद किशोर शर्मा ने बताया कि संत शंभू सिंह कौशिक के संकल्प के अनुसार इस बार शाहबाद एवं चाचोडा कंजर ,मोरगा क्षेत्र के वनवासी साधक जंगल काटने की योजना से उद्वेलित है। वे यहां यज्ञ में आहुतियां देकर वन संपदा को बचाने का संकल्प लेंगे।

अशोक मीणा बने बंबूलियां कलां के प्रशासक

कलम का अधिकार

कोटा। इटावा उपखंड की ग्राम पंचायत बंबूलियां कलां में आज राज्य सरकार द्वारा अशोक मीणा राजपुरा को प्रशासक नियुक्त किया गया, अशोक मीणा बंबूलियां कलां के निवर्तमान सरपंच हैं जो कि प्रशासक के रूप में अगली ग्राम पंचायत निर्वाचन तक कार्य करेंगे। प्रधान रिंकू मीणा एवं ब्लॉक विकास अधिकारी द्वारा आज अशोक मीणा को प्रशासक का चार्ज सौंपा गया जिस पर सिद्धार्थ शर्मा,शंकर नागर, रामहेत, हरिनारायण, राजेश पचौरी , देवेंद्र भाया, रामबिलास काका , धनराज केवट सहित सभी प्रबुद्धजनों ने आभार जताया ।

विधि विधान से भैरवनाथ जी की स्थापना,भंडारे का किया आयोजन

कलम का अधिकार

कोटा। प्राचीन मथुरेश भैरवनाथ मंदिर सेवा समिति के सदस्यों द्वारा नीलकंठ महादेव मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें महिलाएं ने सिर पर कलश धारण कर गंगाजी का आव्हान किया। समिति सदस्यों ने बताया कि पुलिस चौकी के निर्माण के दौरान भैरव जी महाराज को अन्य जगह विराजमान किया था,उसके बाद जब टिपटा चौकी का निर्माण पूर्ण हो गया तो भैरवनाथ भगवान का मंदिर भी बनाया गया जिसमें उन्हें फिर से वहां विधि विधान से पूजा अर्चना कर मंत्रोच्चार के साथ विराजमान किया गया।इस अवसर पर प्रसादी वितरण किया गया जिसमें सैकडों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और प्रसाद ग्रहण किया। के सदस्य महेश गौतम लल्ली, नीरज शर्मा, तेजकरण, अनशी, ललित सरदार, अनिल खंडेलवाल,इंद्र कुमार सक्सेना, अशोक शुक्ला, श्याम गुप्ता, भरत शाक्यवाल, राकेश शर्मा राकू, हिरेंद्र शर्मा, संदीप भाटिया, अजय साहू, सुमन, वार्ड पार्षद जमना बाई, राजू हाडा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

उमंग 2025 में अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन का उत्कृष्ट प्रदर्शन

कलम का अधिकार

कोटा। कोटा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव 'उमंग-2025' में अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि कोटा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ.संगीता सक्सेना, विशिष्ट अतिथि इण्डियन रेडक्रॉस के स्टेट चैयरमैन राजेश कृष्ण बिरला ये।संचालन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नीलू चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी,रजिस्ट्रार डॉ.भावना शर्मा एवं अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे। अकलंक विद्यालय एसो.अध्यक्ष पीयूष बज व महामंत्री ?अनिमेष जैन ने बताया कि अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव 'उमंग 2025' में अकलंक कॉलेज की ललित कला श्रेणी में आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में प्रियल मेहरा ने प्रथम स्थान, साहित्यिक श्रेणी की वाद-विवाद प्रतियोगिता में खुशी जैन ने प्रथम स्थान,संगीत प्रतियोगिता में महक पचेरिया, सीमा रावत, खुशबू गोचर, दिव्या अवस्थी, सीमा रावत और हर्षिता मीणा की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।ऑन स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में वैष्णवी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हिसार (हरियाणा) में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में कोटा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

शहर काजी जुबैर अहमद का उमराह कर लौटने पर किया इस्तकबाल

कलम का अधिकार

कोटा। उमराह पैगंबर मोहम्मद की सबसे खूबसूरत सुन्नतों में से एक है, उमराह करने देश से हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। कोटा शहर काजी जुबैर अहमद उमराह कर कोटा लौटे। उन्होंने वहां भारत में अमन चैन की दुआ मांगी और सभी से प्रेम करने का संदेश दिया। कोटा पहुंचने पर शहर काजी का अंजुमन इस्लामिया सेकेंड्री स्कूल घंटाघर इतजामिया कमेटी एवं कोटा उत्तर उप महापौर सोनू कुरैशी की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान शहर काजी ने बताया कि उन्होंने उमराह के दौरान कोटा सहित देश में तरक्की के लिए दुआ की। शहर काजी ने कहा कि हम सभी को इंसानियत का फर्ज निभाते हुए एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए, यही परवर दिगार का संदेश है, जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए, किसी को सताना नहीं चाहिए, यही संदेश पूरे जहां में पैगबर साहब ने दिया है। इस मौके पर अंजुमन सदर सलीम खान, नायब सदर सोनू कुरैशी (डिप्टी मेयर), साजिद जावेद, सेकेंट्री जलील अंसारी, निजामुद्दीन बबलू, शाहबूदीन बाबू, गफ्फार अंसारी, गफूर खान, सलीम शेरी, रफीक बुम्बिया आदि उपस्थित रहे।

कोटा में हॉस्टल,पीजी पंजीकरण की तिथि 7 फरवरी तक बढ़ाई

कलम का अधिकार

कोटा। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों एवं कामयाब कोटा अभियान के तहत कोचिंग क्षेत्र के सभी हॉस्टल, पीजी संचालकों को अपने संस्थानों का पंजीकरण ऑनलाइन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए गए हैं। पहले यह तिथि 31 जनवरी तक निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 7 फरवरी कर दिया गया है।

ज्वाइंट वेन्चर के विरोध में प्रदर्शन करते-करते हो गये 100 दिन

कलम का अधिकार

कोटा। विद्युत उत्पादन में अग्रणी राजस्थान के थर्मल प्लाटों को सरकार द्वारा ज्वाइंट वेंचर रूपी निजीकरण करने के विरोध में गठित राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम अभियंता कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के कार्मिक लगातार सौ दिन से थर्मल गेट पर एक घंटा कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, आंदोलन के सौ दिन पूरे हो जाने के बावजूद सरकार कार्मिकों की सुध नहीं ले रही है। संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक राकेश गुप्ता एवं प्रदेश प्रवक्ता वीरेन्द्र कश्यप ने बताया कि ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राजस्थान के विद्युत गृह नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, विगत सप्ताह मुख्य अभियंता के एल मीणा के निर्देशन और अभियंता कर्मचारियों की सूझबूझ से कोटा थर्मल की चौथी इकाई को निर्बाध लगातार 100 दिन चलाकर

रिकॉर्ड उत्पादन किया गया, वहीं दूसरी ओर छबड़ा थर्मल ने मुख्य अभियंत संगीता श्रृंगी के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सर्वश्रेष्ठ संचालित विद्युत उत्पादन स्टेशन पुरस्कार प्राप्त किया। कश्यप ने कहा कि ऐसे शानदार सरकारी स्वामित्व वाले पॉवर प्लांट को सरकार द्वारा ज्वाइंट वेंचर रूपी निजीकरण करके विद्युत उत्पादन के अभियंताओं, कर्मचारियों एवं राजस्थान की जनता के साथ कुठाराघात किया जा रहा है जिसका थर्मल कर्मी राजस्थान के सभी प्लांटों में विगत 100 दिनों से एक घंटा कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदेश संयोजक राकेश गुप्ता ने बताया कि विगत 20 दिसंबर 2024 को राजस्थान विद्युत उत्पादन वितरण एवं प्रसारण निगम के कर्मचारियों ने दो प्रमुख मांगों 卐विद्युत में विभिन्न नामों से किए जा रहे निजीकरण पर रोक एवं विद्युत विभाग में राज्य कर्मियों के समान ओल्ड पेंशन योजना卐 लागू करने को लेकर मुख्यालय पर एक दिवसीय आक्रोश प्रदर्शन किया था। इसके बाद राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक ने ऑन द स्पॉट विद्युत विभाग में ओल्ड पेंशन योजना लागू करने की घोषणा की तथा प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया था कि जनवरी के दूसरे सप्ताह में कर्मचारी संगठनों के साथ वार्ता की जायेगी, लेकिन कर्मचारियों के साथ विश्वासघात किया गया और आज तक उन्हें वार्ता पर आमंत्रित नहीं किया गया तथा कर्मचारियों के साथ वादा खिलाफी कर छबड़ा थर्मल को ज्वाइंट वेंचर में चलाने के लिए कागजी कार्रवाई को अंतिम रूप दे दिया गया। गुप्ता ने कहा यदि संघर्ष समिति को शीघ्र वार्ता पर आमंत्रित नहीं किया गया तो राजस्थान के समस्त पावर प्लांट में आंदोलन को उग्र किया जायेगा।

डीआरएम ने कोटा-नागदा खण्ड पर किया संरक्षा निरीक्षण

कलम का अधिकार

कोटा। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने 31 जनवरी को कोटा-नागदा खण्ड का संरक्षा विन्डो ट्रेलिंग एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संरक्षा मानकों,प्वांट्स, ट्रेनों के संचालन से संबंधित स्टेशन मास्टर पैनल, संरक्षा अनुदेशों की अनुपालना की जाँच की। डीआरएम ने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के सभी नियमों एवं अनुदेशों की सख्त अनुपालना के निर्देश दिए। साथ ही कोटा-विक्रमगढ़ आलोट खण्ड पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशनों रामगंजमंडी 18.62 करोड़, भवानी मंडी 25.69 करोड़ एवं शामगढ़ 19.20 करोड़ की लागत से चल रहे पुनर्विकास कार्यो की प्रगति का निरीक्षण कर जायजा लिया। वर्तमान में रामगंजमंडी में 59 प्रतिशत, भवानी मंडी 63 प्रतिशत एवं शामगढ़ 71 प्रतिशत कार्य प्रगति है। इस दौरान डीआरएम के साथ सहायक वाणिज्य प्रबंधक अमित वर्मा,सहायक परिचालन प्रबंधक जे एस सोहल, सहायक विद्युत इंजीनियर, सहायक मंडल इंजीनियर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर 28 रेल कर्मचारियों को किया सम्मानित

कलम का अधिकार

कोटा। रेलवे विभाग कोटा मण्डल से इस वर्ष 2025 के जनवरी माह में आयुसीमान्तर्गत 28 रेल सेवकों का सभागृह में विदाई समारोह आयोजित

किया गया। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कोटा मंडल से जनवरी माह में वाणिज्य शाखा के सहायक वाणिज्य प्रबंधक के के कटकवार एवं विभिन्न विभागों के 27 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। जिनमें मुख्य कार्यालय अधीक्षक, कार्यालय अधीक्षक, वरिष्ठ तकनीशियन, ट्रैकमेंन, सीनियर सेक्शन इंजीनियर, हेल्पर, स्टेशन अधीक्षक एवं मुख्य लोको निरीक्षक इत्यादि महत्पूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मचारी शामिल रहे। सभी सेवानिवृत्त हो रहे रेल सेवकों को संबंधित दस्तावेज जैसे- पेंशन पे आर्डर, सेवा प्रमाण पत्र, सर्विस रिकार्ड की सॉफ्ट कापी, पहचान पत्र, मेडिकल कार्ड, कंपोजिट ट्रांसफर ग्रांट भत्ता एवं पास आवेदन तथा प्राधिकार पत्र प्रदान किये गये।

इस दौरान डीआरएम ने उनके भावी सुखी जीवन की शुभकामना दी तथा रेलवे के प्रति समर्पण,निष्ठा एवं अतुलनीय योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का समापन,संस्थाओं का सम्मान

कलम का अधिकार

कोटा। परिवहन विभाग, यातायात विभाग द्वारा आयोजित कोटा में सड़क सुरक्षा माह का गुरुवार को भव्य आयोजन के साथ समापन हुआ । 1 जनवरी से आरंभ हुआ सड़क सुरक्षा माह 31 जनवरी तक चला जिसके दौरान शहर भर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रमुख रूप से 13 संस्थाओं ने भाग लिया जिसमें मुख्य रूप से कोटा सड़क सुरक्षा समिति थी, जिसके सदस्यों को विशिष्ठ योगदान हेतु सम्मानित भी किया गया।इसके अतिरिक्त लायंस क्लब कोटा टेक्नो, लायंस क्लब कोटा साउथ, मां भारती

पीजी कॉलेज, मोदी लॉ कॉलेज, कोटा कॉलेज आफ एजुकेशन, आदर्श नर्सरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जोशिको ड्राइविंग स्कूल, बस आपरेटर एसोसिएशन, टीम जीवन दाता, अपना ब्लड सेंटर, परिवहन विभाग, रोडवेज विभाग, पुलिस विभाग मिश्रा ऑप्टिकल्स व गोपेश्वर टी टी कॉलेज सहित अन्य संस्थाओं ने अपनी भागीदारी निभाते हुए इस अभियान को सफल बनाया। छत्रपुरा स्थित परिवहन विभाग के कार्यालय में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि कोटा विकास प्राधिकरण के सचिव कौशल कोठारी थे, वहीं विशिष्ट अतिथि पुलिस उपाधीक्षक अशोक मीणा, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी मनीष शर्मा, जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित, शिवजी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कोटा सड़क सुरक्षा समिति के सह सचिव भुवनेश गुप्ता द्वारा किया गया।

आचार्य पुष्पदंत सागरजी के 45वें दीक्षा दिवस पर हुआ भव्य पूजन

कलम का अधिकार

कोटा। जैन संत 108 आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज का 45वें दीक्षा

दिवस महावीर नगर द्वितीय स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ सानिध्य में सेवा, साधना और समर्पण के रूप में मनाया। मंदिर अध्यक्ष दर्पण जैन ने बताया कि इस पावन अवसर पर 45 इंद्र परिवारों द्वारा विशेष पूजन एवं दीप प्रज्वलन किया गया। इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव से भाग लिया और गुरु भक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। पूजन के मुख्य यजमान का सौभाग्य चेतन कुमार, विशाल जैन एवं अर्पित कुमार सर्राफ को प्राप्त हुआ। पार्षद गोपाल मंडा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सकल समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता ने आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के ज्ञान,जनहित,करूणा व दया पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पुष्पगिरी प्रणेता आचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी महाराज की दिव्यता का बखान किया।

विनयांजलि सभा में प्रज्ञा सागर महाराज ने गुरु भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि गुरु के उपकार का बदला चुकाना असंभव है, क्योंकि गुरु ही वह मार्गदर्शक होते हैं जो शिष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। इस अवसर पर 2 मार्च को आयोजित विशेष दीक्षा दिवस कार्यक्रम के लिए पोस्टर विमोचन यतीश खेड़ा,अर्पित जैन एवं गोपाल राममंडा ने किया।

लायंस निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 103 रोगी के आपरेशन

कलम का अधिकार

कोटा। मोतियाबिंद के रोगियों के लिए लायंस क्लब कोटा के द्वारा नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन निरंतर जारी है। लायंस क्लब कोटा द्वारा आयोजित निशुल्क नैत्र शल्य चिकित्सा शिविर झालावाड रोड स्थित लांयस क्लब भवन में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष प्रमोद विजयवर्गीय ने बताया कि शिविर के रजिस्ट्रेशन कार्य 28 जनवरी से प्रारंभ किया गया था। जिसमें 225 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया। बीपी,शुगर अन्य बिमारी के चलते 103 नेत्र रोगियों को आपरेशन कर शुक्रवार को उन्हें काले चश्मे सौंपे गए।कार्यक्रम में केईडीएल के टेक्निकल हेड अन्नामित्रो डाली मुख्य अतिथि रहे। उन्होने नेत्र रोगियों को काले चश्में पहनाएं।शिविर प्रभारी अशोक नुवाल ने बताया कि सभी आपरेशन डा विशाल स्नेही ने आधुनिक लेजर तकनीक के माध्यम से करके लेंस प्रत्यारोपित किए।

बड़े ही अदब एहतराम और भाईचारे के साथ मनाया उर्स मुबारक

कलम का अधिकार

कोटा। ।सूफ़ी संत अता ए ख्वाजा कुतबुल इरशाद सूफ़ी हाफ़िज़ अब्दुल हकीम अबरारी र.अ. का उर्स मुबारक गुरुवार 30 जनवरी को बड़े ही अदब एहतेराम और भाइचारे के साथ मनाया गया। उर्स संयोजक (दरगाह इंचार्ज) हामिद हकीमी ने बताया कि उर्स मुबारक (卐卐सज्जादा नशीन व मुतवल्ली卐) सूफ़ी जाहिद हुसैन हकीमी की सरपरस्ती में बड़े अदब और एहतराम के साथ सुल्तानपुर में नवा उर्स बरोज गुरुवार को मनाया गया,जिसमें सुल्तानपुर मुख्य बाजार से सेंकड़ों अकीदतमंदों और मुरीदों ने जुलूस के रूप में दरगाह शरीफ पहुंचकर चादर पेश की और देश में अमन चैन बना रहे और देश की खुशहाली के लिए दुआ की। उर्स में देश भर से आए कव्वालों ने जिसमें शाहेदीन साबरी या सूफी अब्दुल हकीम एक आस लिए हम तुमरे द्वारे आए है और सरफराज अनवर साबरी सुल्तानपुर में धूम मची है ख्वाजा अब्दुल हकीम की शादी रची है, इस तरह के अनेक बेहतरीन कलाम पेश किये और सभी अकीदतमंदो पूरी रात

कव्वाली का लुत्फ उठाया।इस अवसर सत्यनारायण मालव थाना अधिकारी,दीपक महावर उपखंड अधिकारी, मुकेश मेघवाल जिला प्रमुख, रितेश सहायक अभियंता विद्युत विभाग,पवन मीना उपमहापौर कोटा,विनय कुमार सिंगल भीमराव अम्बेडकर समिति महासचिव कोटा,पूर्व सरपंच मांगीलाल सुल्तानपुर, विद्याशंकर नन्दवाना पूर्व विधायक ,वीरेन्द्र शर्मा, छोटू भैय्या,महेंद्र कुमार कंवरपुरा,पूर्व प्रधान महेंद्र गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष सुल्तानपुर सतीश खण्डेलवाल,रजत अरोड़ा चेयरमैन रजत सिटी ग्रुप कोटा, जुल्फिकार पठान रजत सिटी, सीईओ हकीम बक्श एचपी गैस आदि गणमान्य अतिथि एवं सूफ़ी सन्त और अता ए ख्वाजा के हजारों मुरीद मौजूद रहे।

फार्मर आईडी के बिना नहीं मिलेगा फसल बीमा, सब्सिडी व केसीसी सम्मान निधि का फायदा

कलम का अधिकार

कोटा। किसानों के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कृषि एवं इससे संबंधित विभागों के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (एग्रीस्टैक) विकसित किया जा रहा है। उपखण्ड अधिकारी गजेन्द्र सिंह ने बताया कि तहसील लाडपुरा में 5 फरवरी 2025 से ग्राम पंचायतवार फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों की एकीकृत और व्यापक पहचान सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उन्हें भविष्य में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

फार्मर आईडी होगी अनिवार्य : भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), डीबीटी, बारिश और सूखे से प्रभावित किसानों की पहचान, बेहतर नियोजन, बजट आवंटन और क्रियान्वयन के लिए किसानों को फार्मर रजिस्ट्री आईडी (फार्मर आईडी) प्राप्त करनी होगी। यह आईडी किसानों की भूमि की डिजिटल पहचान बनाएगी, जिससे वे सरकारी योजनाओं का लाभ सुचारू रूप से प्राप्त कर सकें। फार्मर रजिस्ट्री शिविर में किसानों को अपना आधार कार्ड, जमाबंदी और आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा। बिना इन दस्तावेजों के रजिस्ट्रेशन संभव नहीं होगा।शिविर में भूमि सत्यापन अधिकारी किसानों द्वारा उपलब्ध कराए गए आधार और जमाबंदी का निरीक्षण करेंगे। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान किसान का आधार नंबर दर्ज किया जाएगा, जिसके बाद उनके आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा। यदि किसान के मोबाइल नंबर पर ओटीपी उपलब्ध नहीं होता, तो फेशियल रिकग्निशन के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन के बाद किसान की भूमि को डिजिटल रूप से अपडेट किया जाएगा और उनकी फार्मर आईडी जनरेट कर पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस से भेजी जाएगी।

रंजीतानंद सरस्वती महाराज दंडी स्वामी की उपाधि से विभूषित

कलम का अधिकार

कोटा। परम् पूज्य पंच खंड द्वादश पीठाधिश्वर दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती महाराज ने अपने शिष्य स्वामी रंजीतानंद सरस्वती महाराज के त्याग,तप,भाव, समर्पण के अभिषेक

स्वरूप भारत की अनंत परम्पराओ के अनुसार दंडी स्वामी की उपाधि से विभुषित किये जाने का निर्णय लिया गया था,जो सन्यास परम्परा का यह शिखर क्षण तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में स्वामी रंजीतानंद को 31 जनवरी शुक्रवार प्रातः कालीन शुभ बेला मे दंडी स्वामी से विभुषित किया गया। गुरुभक्त मंडल आनंद धाम जबेरा, मंगलेश्वरी मठ कोटा राजस्थान के भक्तों में हर्ष की लहर हैं।

वक्रांगी लिमिटेड के सीएमडी दिनेश नंदवाना का मुंबई में निधन

कलम का अधिकार

कोटा। मूल रूप से कैथून के रहने वाले वक्रांगी लिमिटेड के सीएमडी दिनेश नंदवाना (62) का हृदयगति रुकने से आज मुंबई में निधन हो गया, उनका अंतिम संस्कार शनिवार सुबह मुंबई में किया जायेगा। कोटा और कैथून से उनके परिजन और रिश्तेदार मुंबई रवाना हो गए हैं। दिनेश नंदवाना कल ही महाकुम्भ से स्नान कर मुम्बई लौटे थे। सीए दिनेश नन्दवाना ने 1990 में मुम्बई में कम्पनी की शुरुआत की थी,जो शेयर बाजार में लिस्टेड है। कोटा के निवेशकों का वक्रांगी पसंदीदा शेयर है।

कोटा ग्रामीण पुलिस ने 32 लाख के 162 मोबाइल बरामद कर मालिकों ने को सौंपे

के डी अब्बासी

कोटा। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर के निर्देश पर ऑपरेशन साईबर शील्ड के तहत कोटा ग्रामीण पुलिस ने चोरी/गुमशुदा 162 मोबाईल जिनकी कीमत से 32 लाख से ज्यादा है, उन मोबाइलों को बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाया। मोबाइल मिलने पर मोबाइल के असली मालिकों ने कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर और उनकी पुलिस टीम का शुक्रिया अदा किया है। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि

महानिदेशक पुलिस राजस्थान, जयपुर एवं महानिरीक्षक पुलिस, कोटा रेंज के निर्देश पर दो जनवरी से 31 जनवरी 25 तक जिले में सायबर अपराधियों की धरपकड तथा चोरी / गुमशुदा मोबाईल की तलाश हेतु साईबर शील्ड अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान कोटा ग्रामीण पुलिस ने जिला कोटा ग्रामीण क्षेत्र में वर्ष 2023 से जनवरी 2025 तक चोरी/ गुम हुऐ 162 मोबाईल हेंडसेटों को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि साईबर अपराधी नये-नये तरीकों का उपयोग कर आमजनता को उनकी मेहनत से कमाई राशी की ठगी कर रहे हैं। एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि वर्तमान में साईबर अपराध का प्रचलन बहुत चरम सीमा पर है, ऐसे में प्रतिदिन जिले में साईबर अपराध की शिकायत प्राप्त होती रहती है।जिनका समय पर निस्तारण करना पुलिस के लिये चुनौती है। इस सम्बन्ध में जिला पुलिस प्राथमिकता से कार्य कर इन शिकायतों का समय पर निस्तारण करने में सफल रही है।

कोटा ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस : अधीक्षक राम कल्याण मीणा ने बताया कि चोरी/गुम हुऐ मोबाईल हेंडसेट बरामद करने में सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह, कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह, लाखन सिंह, रणवीर सिंह, मोरमुकुट सिंह,गौतम, पंकज रविकान्त, नरेन्द्र चौधरी साईबर सैल का विशेष योगदान रहा।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड रामगंजमण्डी (जिला कोटा)

क्रमांक : 858 दिनांक : 22.01.2025

निविदा सूचना संख्या 11/2024-2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/भवन कार्यों के, उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ''एए'' ''ए'' ''बी'' ''सी'' एवं ''डी'' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा निम्न कार्यों की आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेवसाईट "www.diproline.org", "www.eproc.rajasthan.gov.in" तथा "www.pwd.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

1- (PWD2425WSOB14012)
2- (PWD2425WSOB14014)
3- (PWD2425WSOB14015)

(आर के मीणा)
अभिशाषी अभियन्ता
सा0नि0वि0 खण्ड रामगंजमण्डी

RNI No,28267/73 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विष्णु शर्मा 'अरुणेश' के लिए ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, रामपुरा बाजार, कोटा-324006 में मुद्रित एवं बी-13, जवाहर नगर (ओल्ड) कोटा से प्रकाशित। उप प्रधान संपादक: राधारमण शर्मा, संपादक : के.एल.जैन। फोन: 0744-3550629, मो. : 9829036569